मंत्री और पार्लियामेंटरी सेक्रेटरी भी हैं। यह संवैधानिक संकट है इसलिए सरकार का कोई भी मंत्री सभा के पटल पर कागज नहीं रख सकता है। यही मेरी आपत्ति है।

उपसभापति: मालवीय जी, जिन मंत्रियों ने पेपर रखे हैं अगर उन में किसी ने त्याग-पत्र दिया होता तो मैं यकीनन आपकी बात सुनती। इन लोगों ने तो त्याग-पत्र नहीं दिया है इसलिए यह सवाल पैदा नहीं होता।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): The question is whether it has got to do with Cauvery or something else: why he has given the resignation.

THE DEPUTY CHAIRMAN: How do I know? He didn't send his resignation to me.

Report and Accounts (1989-90) of National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi and related papers

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR): Madam, I lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Annual Report of the National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi, for the year 1989-90.

(ii) Annual Accounts of the National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi, for the year 1989-90 and the Audit Report thereon.

[Placed in Library. See No. LT-194/91]

(iv) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (i) and (ii) above

[Placed in Library. See No. LT—/91.]

I. Report and Accounts (1989-90) of the Central Wakf Council, New Delhi and related papers.

II. Report (from July, 1986 to June 1987) by the Commissioner for Linguistic Minorities in India and related papers.

THE MINISTER OF WELFARE (SHRI SITARAM KESRI): Madam, I lay on the Table:—

I. A copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Annual Report of the Central Wakf Council, New Delhi, for the year 1989-90.

(ii)) Annual Accounts of the Central Wakf Council, New Delhi, for the year 1989-90 and the Audit Report thereon.

(iii) Review by Government on the working of the Council.

(iv) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (i) and (ii) above.

[Placed in Library See No. LT-187/91 for (i) to (iv)].

II A copy (in English and Hindi) of the Twenty-seventh Report by the Commissioner for Linguistic Minorities in India for the period from July, 1986 to June, 1987 together with an Explanatory Note on the Report.

[Placed in Library See No. LT-189/91].

SHRI ASHIS SEN (West Bengal): Madam, I am on a point of order. Madam, Mr. Sitaram Kesri, the Minister, has laid the Report by the Commissioner for Linguistic Minorities which relates to the period from July, 1986 to June, 1987. It has been submitted now but why is there no statement about the delay in the submission of the report? It has been lying for so many years and why did he come forward so late for submitting it here? We must have an explanation from him as to why he is not giving any reasons for the delay in laying the report here.

श्री सीताराम केसरी : यह आइटम आलरेडी टेबल पर आ चुका है और सारी चीजें आपके सामने रखी हुई हैं **(व्यवधान)**

उपसभापति : मंत्री जी, लास्ट टाइम भी यह आपत्ति उठी थी और आपने उसका एक्सप्लेनेशन दिया था कि क्या वजह थी। आज भी कोई एक्सप्लेनेशन आप दे दीजिये। **(व्यवधान)** आप सुनने दीजिये **(व्यवधान)** मुझे सुनाई नहीं देता **(व्यवधान)** what he is saying. Then I can't give my ruling on that.

श्री सीताराम केसरी : उपसभापति जी, जैसे कि मैंने आश्वासन दिया था उसका मतलब यह था कि जब से मैं आया हूं तब से डिले नहीं होगी लेकिन जो डिले पहले से हो चुकी है उसका मैं क्या कर सकता हूं **(व्यवधान)** मैंने आश्वासन दिया था हाऊस में कि आगे से डिले नहीं होगा। इसका अर्थ यह है कि जो पेपर हमारे पास आ चुका हैं, मेरे विभाग में डिले नही होगा। जो पहले से पीछे पड़ा हुआ हैं उसको आने में जो डिले हो रही है उसके लिये मैंने आश्वासन नहीं दिया था **(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : साल भर पहले पूछे गये सवाल का क्या यह जवाब नहीं देंगे **(व्यवधान)**

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात) : उपसभापति महोदया, आपने उस दिन पूछा था और मंत्री जी ने कहा था कि मैं तलाश कर के उसके रीजंस बताऊंगा कि क्या हुआ। **(व्यवधान)** आज यह दूसरी बात कह रहे हैं कि जब से मैं आया हूं तब से डिले नहीं होगा। उस दिन चूंकि रीजंस साथ नहीं थे इसलिए उन्होंने कहा था कि मैं डिपार्टमेंट से तलाश कर के हाऊस को बताऊंगा कि क्यों डिले हुई है। आज तो यह दूसरा जवाब दे रहे हैं **(व्यवधान)**

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : उपसभापति महोदया, सरकार तो एक निरन्तर संस्था का नाम है **(व्यवधान)** मंत्री बदलते रहते हैं लेकिन सरकार तो एक इंस्टीट्यूशन का नाम है इसलिए महज यह कह देने से कि जो पीछे हो गया उसके बारे में नहीं, मैं जब से आया हूं, यह अपने आप में उस सिद्धान्त का उल्लंघन करना है। सीताराम केसरी जी वरिष्ठ मंत्री हैं, कम से कम उन से यह अपेक्षा नहीं है कि ऐसा जवाब दे कर सदन को टालेंगे।

श्री सीताराम केसरी : मैं किसी भी सिद्धांत का उल्लंघन नहीं कर रहा हूं। जो परम्परा है.. **(व्यवधान)** जो चीजें पीछे पड़ी हुई हैं उनको जल्दी से ला रहा हूं और मेरे टेन्योर में जितनी चीजें हैं उनके बारे में मैंने स्पष्ट तरह से हाउस में आश्वासन दिया है कि उनमें विलम्ब नहीं होगा। आगे भी फिर मैं आपको आश्वस्त करता हूं .. **(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन : आप केवल बता दीजिए कि इसमें देरी क्यों हुई?

श्रीमती सुषमा स्वराज : यह तो बताईये कि देरी क्यों हुई।

(व्यवधान)

उपसभापति : जवाब तो उनका सुनिये फिर आप बोल सकते हैं। बैठिए। आवाज न करिये।

श्री हेच. हनुमनतप्पा (कर्नाटक) : देरी के लिए यह है कि बीच में दो साल ये लोग भी आये थे।

उपसभापति : केसरी जी ये जो पेपर्स हैं इसमें आपने 1989–90 का जो डिले है उसका रीजन दिया है। मेम्बर पूछ रहे हैं कि 1986–87 की जो रिपोर्ट है उसमें जो डिले है उसका भी रीजन आप दे दें।

डा. रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : उस समय ये मंत्री नहीं थे।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, he has a reason to give.

श्री सीताराम केसरी : 1986–87 का मैंने नोट दे दिया है, आलरेड़ी भेज दिया है। फिर भी आप चाहत हैं तो मैं आपके सामने पेश कर दूंगा।